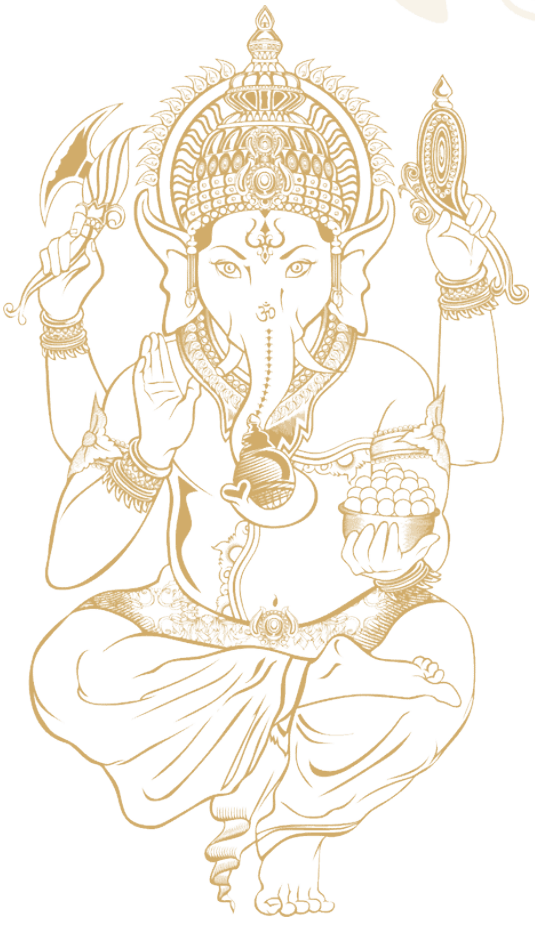

Shivam Goel

Kirti Jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120779202

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/01/1997	जन्म तिथि	17-18/06/1996
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 09:40:00	जन्म समय	02:45:00 घंटे
घटी 06:02:04	जन्म समय(घटी)	53:24:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:10	सूर्योदय	05:23:16
17:46:05	सूर्यास्त	19:20:53
23:48:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 3वर्ष 7मा 8दि		15:31:22	कुंभ	लग्न		मेष	20:01:16	गुरु 12वर्ष 1मा 5दि	
सूर्य		02:15:30	मक	सूर्य		मिथु	03:07:22	शनि	
25/08/2020		06:27:51	मेष	चंद्र		मिथु	23:15:05	23/07/2008	
26/08/2026		09:40:01	कन्या	मंगल		वृष	09:57:09	24/07/2027	
सूर्य	13/12/2020	09:52:24	धनु	बुध		वृष	11:12:12	शनि	27/07/2011
चन्द्र	13/06/2021	04:53:56	मक	गुरु	व	धनु	21:00:50	बुध	05/04/2014
मंगल	19/10/2021	13:37:35	धनु	शुक्र	व	वृष	21:58:06	केतु	15/05/2015
राहु	13/09/2022	08:27:36	मीन	शनि		मीन	12:47:29	शुक्र	15/07/2018
गुरु	02/07/2023	07:23:09	कन्या व	राहु	व	कन्या	20:19:18	सूर्य	27/06/2019
शनि	13/06/2024	07:23:09	मीन व	केतु	व	मीन	20:19:18	चन्द्र	25/01/2021
बुध	20/04/2025	10:19:06	मक	हर्ष	व	मक	10:09:18	मंगल	06/03/2022
केतु	25/08/2025	03:34:55	मक	नेप	व	मक	03:20:30	राहु	10/01/2025
शुक्र	26/08/2026	11:02:17	वृश्चिक	प्लूटो	व	वृश्चिक	07:14:21	गुरु	24/07/2027

लग्न-चलित

लग्न-चलित

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

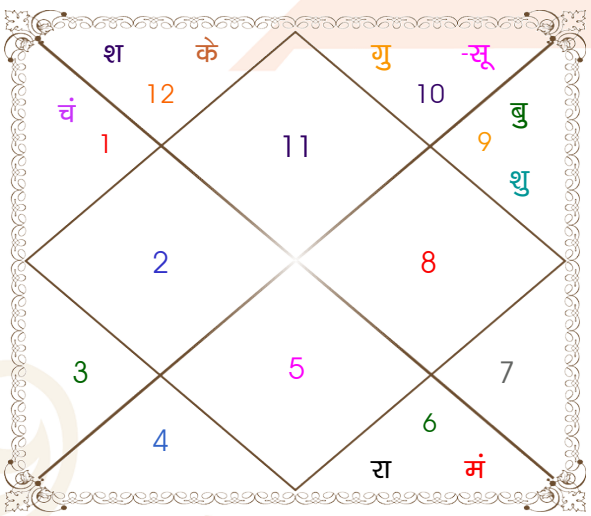

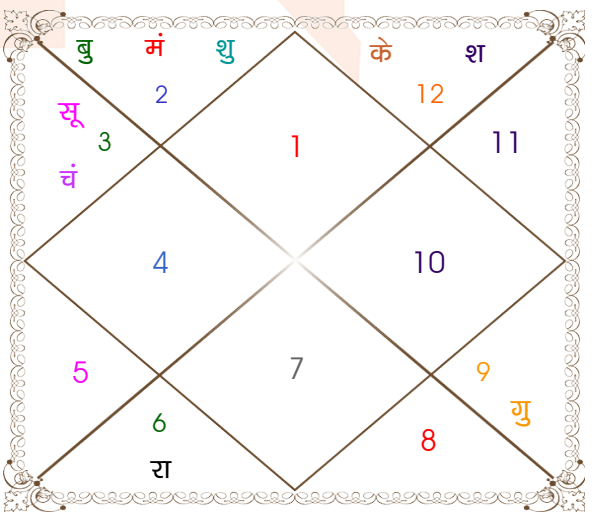

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

ौपअंउ ळवमस का वर्ग सिंह है तथा ज्ञपतजप श्रंपद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौपअंउ ळवमस और ज्ञपतजप श्रंपद का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअंउ ळवमस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ौपअंउ ळवमस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञपतजप श्रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ज्ञपतजप श्रंपद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअंउ ळवमस तथा ज्ञपतजप श्रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।